

HONORARY RANK OF THE INDIAN ARMY

Sukirtimaya Rastradeep- General Purna Chandra Thapa

Sukirtimaya Rastradeep General Purna Chandra Thapa, an alumnus of the Nepali Military Academy was commissioned into the Nepali Army and joined Gorakh Bahadur Battalion in December 1980. He assumed the command of the Nepali Army as Chief of the Army Staff on 09 September 2018.

The General has had an illustrious career with outstanding performance on all the courses he attended. He is a graduate of National Defence College, India and Army Command and Staff College, Nepal. Besides holding Bachelors Degree from Tribhuvan University (Nepal), he also holds a Masters Degree in Defense and Strategic Studies from the University of Madras (India).

During his distinguished military career spanning over 39 years, the General has held various high profile command, staff and instructional appointments. He has commanded an Infantry Battalion, an Infantry Brigade and has served as General Officer Commanding, Valley Division. Besides his important staff appointments at Army Headquarters as Military Secretary, Director of the Directorate of Welfare Planning, Adjutant General and Master General of Ordnance, the General has also held the coveted appointment of the Chief of Staff and the Chief of the General Staff from 2015 to 2017. The General Officer's prestigious overseas appointments include Head of Mission, Force Commander and Designated Official of United Nations Disengagement Observer Force, Golan Heights in 2015/16. He has also served twice in United Nations Interim Force in Lebanon in 1986 and 1989 and in United Nations Protection Force, Former Yugoslavia in 1994/95.

The General's one of the high profile appointment had been the appointment of co-vice Chairman of Joint Monitoring and Coordination Committee representing the Government of Nepal and the Nepali Army in United Nations Mission in Nepal from 2009-2011. General Thapa has been decorated with the prestigious "SUKIRTIMAYA RASTRADEEP", "SUPRABALJANASEWA SHREE", "PRAKHYAT TRISHAKTIPATTA", "SUPRABAL GORKHA DAKSHINBAHU" and "PRABAL GORKHA DAKSHINBAHU" for his meritorious service in the Army. He has earned himself a reputation of being a determined & pragmatic commander firmly dedicated towards his profession and institution.

In recognition of his commendable Military prowess and immeasurable contribution to further fostering the long and friendly association with India, the President of India is pleased to confer the honorary rank of General of the Indian Army on General Purna Chandra Thapa.

भारतीय सेना के जनरल का मानद रैंक

सुकीर्तिमय राष्ट्रदीप महारथी पूर्णचन्द्र थापा

सुकीर्तिमय राष्ट्रदीप महारथी पूर्णचन्द्र थापा, नेपाली सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र, ने नेपाली सेना में कमीशन प्राप्त की और दिसम्बर 1980 में गोरख बहादुर बटालियन में शामिल हुए। उन्होंने 09 सितंबर 2018 को सेनाध्यक्ष के रूप में नेपाली सेना की कमान संभाली।

जनरल शानदार सैन्य सेवा योग्यता रखते हैं। उनके द्वारा सभी पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। वे नेशनल डिफेंस कॉलेज, भारत और सेना कमान और स्टाफ कॉलेज, नेपाल के स्नातक हैं। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के अलावा, उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय (भारत) से रक्षा और सामरिक अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि हासिल की।

अपने 39 वर्षों के प्रतिष्ठित सैन्य कार्यकाल के दौरान, जनरल ने विभिन्न उत्कृष्ट कमाण्ड, स्टाफ और अनुदेशात्मक नियुक्तियों को धारण किया है। उन्होंने एक इन्फैंट्री बटालियन, एक इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली है और वैली डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में सेवा प्रदान की है। सेना मुख्यालय में महत्वपूर्ण पदों में सैन्य सचिव के रूप में, कल्याण योजना निदेशालय के निदेशक, एडजुटेंट जनरल और ऑर्डनेंस के मास्टर जनरल के अलावा इन्होंने सन् 2015 से 2017 तक चीफ ऑफ स्टाफ तथा जनरल स्टाफ के प्रमुख पदों पर नियुक्ति भी धारण की है। जनरल ऑफिसर की प्रमुख विदेश नियुक्तियों में 2015/16 में गोलन हाइट्स मिशन के प्रमुख, फोर्स कमाण्डर और संयुक्त राष्ट्र ऑबजर्वर-फोर्स अधिकारी शामिल है। इन्होंने सन् 1986 व 1989 में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल, लेबनान और सन् 1994/1995 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बल, पूर्व युगोस्लाविया में सेवा प्रदान की है।

इनकी अन्य उत्कृष्ट नियुक्तियों में से एक नियुक्ति संयुक्त राष्ट्र मिशन में नेपाल सरकार और नेपाली सेना के प्रतिनिधित्व करने वाली संयुक्त निगरानी और समन्वय समिति के सह उपाध्यक्ष के रूप में सन् 2009 से 2011 तक थी। जनरल थापा को उनके उल्लेखनीय सैन्य सेवा के लिए प्रतिष्ठित अलंकार “सुकीर्तिमय राष्ट्रदीप” “सुप्रबल जनसेवा श्री”, “प्रख्यात त्रिशाक्तिपत्ता”, “सुप्रबल गोरखा दक्षिण बाहु” और “प्रबल गोरखा दक्षिण बाहु” के साथ सुशोभित किया गया है। उन्होंने खुद की एक दृढ़ और व्यवहारिक कमाण्डर होने की प्रतिष्ठा अर्जित की है।

इनके प्रशंसनीय सैन्य कौशल तथा भारत के साथ लम्बे व दोस्ताना संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने एवं इनके अपार योगदान को सम्मान देने के लिए भारत के राष्ट्रपति, जनरल पूर्णचन्द्र थापा को सहर्ष भारतीय सेना के जनरल का मानद रैंक प्रदान करते हैं।